हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग
कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल (उत्तराखंड)

DRAFT
National Education Policy-2020
YEAR- 2024

Common Minimum Syllabus for Uttarakhand State Universities and Colleges
Four Year Undergraduate Programme- FYUP/Honours Programme/Master in Arts
PROPOSED STRUCTURE FOR FYUP/MASTER'S
HINDI SYLLABUS

दिनांक 18 और 19 दिसम्बर 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति की प्रथम पुनरीक्षण कार्यशाला कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में आयोजित हुई, जिसमें बाह्य विशेषज्ञ के रूप में **प्रो. सारिका कालरा** (लेडी श्रीराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली) शामिल हुईं। उन्होंने हिन्दी के पाठ्यक्रम पर निम्नलिखित सुझाव दिए-

स्नातक प्रथम सत्रार्द्ध DSC1 में प्रस्तावित प्रश्नपत्र (प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य) स्नातक तृतीय सत्रार्द्ध DSC3 में प्रस्तावित प्रश्नपत्र (रीतिकालीन काव्य) तथा स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध DSC10 में प्रस्तावित प्रश्नपत्र (भारतीय साहित्य) के पाठ्यक्रम के अनुरूप राष्ट्रीय स्तर की पाठ्यपुस्तकें निर्धारित करने का सुझाव दिया- आन्तरिक विशेषज्ञों से विचार-विमर्श के उपरान्त इस सुझाव को स्वीकार करते हुए क्रमशः **DSC1 में प्राचीन और मध्यकालीन काव्य सम्पादक: डॉ. अनिल सिंह, लोकभारती राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली, हिन्दी पाठ्यक्रम (पृष्ठ-21-22) DSC3 में रीतिकाव्य संचयन सम्पादक डॉ. मनोज पंड्या, लोकभारती राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली, हिन्दी पाठ्यक्रम (पृष्ठ-29-30) एवं DSC10 में भारतीय साहित्य सम्पादक लक्ष्मीकान्त पांडेय/प्रमिला अवस्थी, लोकभारती - राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली, हिन्दी पाठ्यक्रम (पृष्ठ-126-127)** का समावेशन कर लिया गया है।

दिनांक 18 और 19 दिसम्बर 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति की प्रथम पुनरीक्षण कार्यशाला कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में आयोजित हुई जिसमें आन्तरिक विशेषज्ञ प्रो. मुक्तिनाथ यादव (विभागाध्यक्ष हिन्दी, श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय, ऋषिकेश) ने नेट पाठ्यक्रम के अनुरूप DSE 5 आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य शीर्षक प्रश्नपत्र में चन्दबरदाई कृत पृथ्वीराज रासो से कयमास वध के स्थान पर नेट पाठ्यक्रम में सम्मिलित **रेवा तट, हिन्दी पाठ्यक्रम (पृष्ठ-57-58) तथा DSE 11 हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य में मोहन राकेश के लहरों के राजहंस के स्थान पर नेट पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक आधे-अधूरे, हिन्दी पाठ्यक्रम (पृष्ठ-106-107)** के समावेश का सुझाव दिया, जिसे बाह्य विशेषज्ञ एवं अन्य आन्तरिक विशेषज्ञों द्वारा स्वीकार कर पाठ्यक्रम में संशोधन कर लिया गया है। **प्रो. यादव द्वारा दिनांक 25 मार्च 2025 को** कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में हुई SEC **पाठ्यक्रम कार्यशाला में वैकल्पिक प्रश्नपत्रों के रूप में रचनात्मक लेखन का परिचय, विज्ञापन लेखन, सोशल मीडिया लेखन, पटकथा लेखन तथा गढ़वाली भाषा एवं संस्कृति** के समावेशन का सुझाव दिया, जिसे स्वीकार कर पाठ्यक्रम में सम्मिलित कर लिया गया है।

दिनांक 25 अप्रैल 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पाठ्यक्रम पुनरीक्षण की ऑनलाइन बैठक हिन्दी विभाग, डी. एस. बी. परिसर से **डॉ. सत्य प्रकाश सिंह** (बाह्य विशेषज्ञ, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली) के साथ आहूत हुई। उन्होंने हिन्दी के पाठ्यक्रम पर निम्नलिखित सुझाव दिए-

स्नातकोत्तर द्वितीय सत्रार्द्ध GE9 में प्रस्तावित प्रश्नपत्र 'आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं' का नाम संशोधित कर पाठ्यक्रम के अनुरूप **'आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत' (पृष्ठ-94)** करने का सुझाव दिया, जिसे स्वीकार किया गया है।

दिनांक 06 मई 2025 को देहरादून सचिवालय में हुई बैठक में **डॉ. सत्य प्रकाश सिंह** (बाह्य विशेषज्ञ, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली) ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर हिन्दी विषय के प्रस्तावित **स्किल इन्हेंसमेंट कोर्स में कुमाउनी संस्कृति एवं भाषा में एक यूनिट, स्किल इन्हेंसमेंट कोर्स (यूनिट-4 सांस्कृतिक क्षरण की समस्या एवं संरक्षण के उपाय) (पृष्ठ-15)** जोड़ने का सुझाव दिया गया, जिसे स्वीकार किया गया है। इसके अतिरिक्त सम्पूर्ण प्रस्तावित पाठ्यक्रम में हुई शब्दों की पुनरावृत्ति की तरफ उन्होंने ध्यान आकृष्ट किया, जिसे सुधार लिया गया है।

डॉ. सत्य प्रकाश सिंह द्वारा पाठ्यक्रम में कुछ प्रश्नपत्रों की क्रेडिट के अनुरूप लेक्चर ऑवर में एकरूपता का सुझाव दिया गया, जिसे पाठ्यक्रम की इकाइयों की विविधता के कारण स्वीकार नहीं किया गया। **माननीय सचिव उच्च शिक्षा डॉ. रंजीत सिन्हा एवं एन. ई. पी. संयोजक प्रो. संजय पंत** द्वारा पाठ्यक्रम की प्रकृति के आधार पर लेक्चर ऑवर की विविधता को स्वीकृति दी गई।

धन्यवाद